बर्षः- 06
अंकः- 13
मुरादाबाद
(Monday)
04 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग में चयन, सीएम योगी ने बांटे नियुक्ति पत्र

सीएम योगी बोलेः यूपी ने बनाया 9 साल में 9 लाख से अधिक नौकरी देने का रिकॉर्ड, प्रदेश में अब नहीं चलती रिश्वत

राजधानी लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग में चयनित 357 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र सौंपें। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में बीते नौ साल में नौ लाख से अधिक भर्तियां हुई हैं। इन नौकरियों में किसी तरह की रिश्वत नहीं ली गई। उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी गई है। यह किसी भी राज्य में सर्वाधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को सकुशल एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करने का रिकॉर्ड है। सिर्फ अधीनस्थ चयन आयोग इस वर्ष 32 हजार से अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया संपन्न करेगा। शिक्षा चयन आयोग हजारों शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को लगभग 15 हजार भर्तियां करनी है। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष (2026-27) में डेढ़ लाख से अधिक सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया संपन्न होनी है। प्रक्रिया में किसी प्रकार की सेंध न लगे, इसके लिए सख्त कानून भी बनाया है, जिसके तहत सेंधमारी करने वालों को आजीवन कारावास की सजा और उसकी पूरी संपत्ति को जब्त किया जाता है।ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोक भवन में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के लिए नवचयनित 357 कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के नवचयनित 252 दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कहीं। अपने संबोधन के पहले मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र वितरित किए।युवाओं के सपने का टूटना आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ धोखा मुख्यमंत्री ने कहा कि हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर एक सुरक्षित और बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़े। इसके लिए वे हरसंभव प्रयास करते हैं, लेकिन जब अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो न केवल उस युवा के सपने टूटते हैं, बल्कि उसके माता-पिता और परिवार से जुड़े अन्य लोगों की उम्मीदें भी चकनाचूर हो जाती हैं। किसी युवा के सपनों का टूटना केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ धोखा है। उत्तर प्रदेश की 'बीमारू राज्य' के रूप में पहचान बनाने में चयन प्रक्रियाओं में भेदभाव, बेईमानी और भ्रष्टाचार की भूमिका थी। भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताएं इतनी अधिक थीं कि न्यायालय को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ता था। फर्जी डिग्री वाले लोग करते थे चयन प्रक्रिया का नेतृत्व - मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले लगभग हर नियुक्ति प्रक्रिया पर कहीं न कहीं कोर्ट स्टे लगते थे, न्यायालय से कड़ी टिप्पणियां मिलती थीं। स्थिति यह थी कि जो व्यक्ति पात्र नहीं था, वह भी आयोग का चेयरमैन बन जाता था। यहां तक कि फर्जी डिग्री वाले लोग चयन प्रक्रिया का नेतृत्व कर रहे थे। पैसे के लेनदेन के कारण भर्तियां प्रभावित होती थीं और योग्य उम्मीदवारों को अवसर नहीं मिल पाता था। वर्तमान समय में कई युवा उस दौर से अनभिज्ञ हैं, क्योंकि वे तब नाबालिग थे। वर्ष 2017 के बाद भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया गया है। इसका परिणाम यह है कि अब तक पुलिस विभाग में 2,20,000 से अधिक भर्तियां सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। गत 9 वर्षों में हम लोगों ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से रिकॉर्ड 9 लाख से अधिक युवाओं की भर्तियां कीं। आज औषधि विभाग के पास जांच के लिए मंडल स्तर पर ए ग्रेड की लैब मौजूद - सीएम ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 4 और 6 मई को नियुक्त पत्र वितरिण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ये लगातार चलेगा। सरकार बिना भेदभाव पिछले नौ वर्षों में कोरोना महामारी के बावजूद प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय तीन गुना करने में सफल रही है। प्रदेश में आज देश का सबसे अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेसवे, हाइवे आदि मौजूद हैं। आज वे विभाग अच्छा काम कर रहे हैं, जिन्हें पहले लोग जानते तक नहीं थे। लगभग हर जनपद में मेडिकल कॉलेज हैं, दो एम्स कार्यरत हैं। 2017 से पहले सब भगवान भरोसे था, परिणाम भी उसी प्रकार से आते थे। उस दौरान पूरा सिस्टम ही बीमारू था। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग के पास दवा की क्वालिटी एवं खाद्य पदार्थों में मिलावट जांचने के उपकरण व लैब्स नहीं थीं। अब विभाग के पास जांच के लिए मंडल स्तर पर ए-ग्रेड की लैब हैं। प्रशिक्षित मैनपॉवर है, जो समय-सीमा में जांच के नतीजे बता देंगे। वर्ष 2017 से पहले पांच प्रयोगशालाएं थीं, आज आधुनिक उपकरणों के साथ 18 प्रयोगशालाएं हैं। कनिष्ठ विश्लेषकों (खाद्य) की भर्ती भी जल्द- सीएम ने कहा कि पहले 5 प्रयोगशालाओं में 12,000 नमूने प्रतिवर्ष लिए जाते थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 55,000 हो गयी है। आज 357 कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) की भर्ती प्रक्रिया संपन्न हुई है, जिसके साथ ही इनकी संख्या 44 से बढ़कर 401 हो गयी है। वर्तमान में कनिष्ठ विश्लेषकों (खाद्य) की संख्या अभी केवल 58 है। हमने 417 पदों के लिए अधियाचन भेजा है, जो उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में विचाराधीन है। जल्द ही भर्ती प्रक्रिया संपन्न होगी। वर्तमान में 36 हजार खाद्य नमूने प्रतिवर्ष लिये जाते हैं। भर्ती प्रक्रिया संपन्न होने से इनकी संख्या बढ़कर प्रतिवर्ष 1,08,000 से अधिक हो जाएगी। आज 252 डेंटल हाइजीनिस्ट को भी नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

मासूम से दरिंदगी पर पुणे में बवाल, संजय राउत बोले- सरकार वीआईपी सुरक्षा और चुनाव में व्यस्त

पुणे में चार साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद लोगों का भारी गुस्सा फूट पड़ा है। आक्रोशित भीड़ ने मुंबई-बंगलूरू हाईवे पर शव रखकर चार घंटे तक जाम लगाया। पुलिस ने 65 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने खाने का लालच देकर इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया।महाराष्ट्र के पुणे में चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। इस जघन्य वारदात के विरोध में सैकड़ों लोग मुंबई-बंगलूरू हाईवे पर उतर आए और घंटों तक सड़क जाम कर दी। लोगों ने बच्ची के शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया और आरोपी के लिए सख्त से सख्त सजा की मांग की। मामले पर संजय राउत ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी।सैकड़ों लोग नवले ब्रिज इलाके में हाईवे पर इकट्ठा हुए। बच्ची के शव को सड़क पर रखकर विरोध किया गया। इससे करीब चार घंटे तक मुंबई-बंगलूरू हाईवे जाम रहा। यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालांकि बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। क्यों भड़का लोगों का गुस्सा?- यह घटना पुणे जिले के भोर तहसील की है। आरोपी 65 वर्षीय मजदूर ने बच्ची को खाने का लालच देकर अपने साथ ले गया। उसे एक पशु बाड़े में ले जाकर दुष्कर्म किया और पत्थर से मारकर हत्या कर दी। घटना सामने आने के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया।

अखिलेश यादव ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित, अपने अपने जिले में किया टॉप

अखिलेश यादव ने राजधानी में सपा मुख्यालय में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इन्होंने अपने-अपने जिले में टॉप करके न सिर्फ परिवार का नाम बढ़ाया, बल्कि जनपद का नाम रोशन किया।राजधानी लखनऊ में रविवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। जिन्होंने यूपी बोर्ड में 10वीं और 12वीं में अपने अपने जिले में टॉप किया है। कार्यक्रम सपा मुख्यालय में आयोजित किया गया।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को एक प्रेसवार्ता की। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि चुनाव खत्म होते ही महंगाई बढ़ा दी गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक प्रेस वार्ता के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर तीखे हमले करते हुए उसे झूठ की सोनपापड़ी बनाने वाली पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा कि जनता इस बात को बखूबी जानती थी कि चुनाव खत्म होते ही महंगाई का ग्राफ ऊपर जाएगा, और आज वही हो रहा है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने करीबियों को ज्यादा मुनाफा कमाने से नहीं रोक रही है, जिसके कारण आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमें तब तक नहीं रुकना चाहिए जब तक हम अपना लक्ष्य हासिल न कर लें।सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी सरकार में बांटे गए लैपटॉप आज भी सुचारू रूप से चल रहे हैं, जिन्हें डिजिटल डिवाइड खत्म करने के उद्देश्य से दिया गया था। सरकारी कार्यशैली पर तंज कसते हुए उन्होंने हरदोई जाने का एक किस्सा सुनाया, जहाँ प्रशासन ने एक्सप्रेस-वे बंद होने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि जिस एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री ने किया हो, उसका बंद होना बड़ी बेइज्जती की बात होती। अखिलेश के इस हस्तक्षेप के बाद न केवल एक्सप्रेस-वे खुला, बल्कि कुछ दिनों के लिए उसे मुफ्त भी कर दिया गया।चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यदि स्मार्ट मीटर में बेईमानी संभव है, तो ईवीएम में गड़बड़ी क्यों नहीं हो सकती? उन्होंने निर्वाचन आयोग को एक निष्पक्ष संस्था बताते हुए भी रामपुर और अन्य उपचुनावों के अनुभवों का जिक्र किया और कहा कि भाजपा भय का माहौल बनाकर चुनाव लड़ती है। पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां जनता का चुनाव है और %दीदी% (ममता बनर्जी) ही वहां बनी रहेंगी। अंत में उन्होंने रोजगार के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि अकेले गोरखपुर में ही हजारों शिक्षकों के पद कम हो गए हैं, जिससे पूरे प्रदेश की चिंताजनक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

बंगाल में चुनाव नहीं, युद्ध चल रहा, भाजपा नेत्री केया घोष का ममता बनर्जी पर बड़ा हमला

पांचों राज्यों में मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। चार मई को नतीजे आएंगे। इस बीच बंगाल से लेकर तमिनाडु तक हर प्रदेश में जुबानी जंग जारी है।पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों और 77 पुलिस पर्यवेक्षकों को तैनात किए जाने के फैसले पर सियासत गरमा गई है। इस बड़े फैसले का समर्थन करते हुए भाजपा नेत्री केया घोष ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। केया घोष ने राज्य की कानून-व्यवस्था और राजनीतिक माहौल पर सवाल उठाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव नहीं, बल्कि युद्ध चल रहा है। देश के चार अन्य राज्यों में भी चुनाव हो रहे हैं, लेकिन केवल पश्चिम बंगाल में ही चुनाव आयोग के खिलाफ युद्ध छेड़ा जा रहा है। भाजपा नेत्री ने आगे कहा कि बंगाल का यह चुनाव अब %जनता बनाम ममता बनर्जी% बन चुका है। उन्होंने चुनाव आयोग की सख्ती को सही ठहराते हुए स्पष्ट किया कि चूंकि ममता बनर्जी ने युद्ध छेड़ दिया है, इसलिए राज्य में पर्याप्त संख्या में मतगणना पर्यवेक्षकों और पुलिस पर्यवेक्षकों की तैनाती करना बेहद महत्वपूर्ण और जरूरी कदम है।केरल में मुख्यमंत्री पद पर कांग्रेस के फैसले का समर्थन करेगी डब्लू इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता पनाक्कड़ मुनव्वर अली शिहाब थंगल ने रविवार को स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर कांग्रेस आलाकमान का जो भी फैसला होगा, पार्टी उसका पूरा समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर उनकी कोई खास राय नहीं है और यूडीएफ गठबंधन में हमेशा से यही परंपरा रही है। सोमवार को होने वाली चुनाव की मतगणना से पहले थंगल ने कहा कि केरल की जनता बदलाव चाहती है। सभी एग्जिट पोल यूडीएफ की जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं और हमें भी इसकी पूरी उम्मीद है। नई सरकार में आईयूएमएल के मंत्री पदों पर चर्चा चार मई के बाद ही की जाएगी। वहीं, एसएनडीपी महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन के इस आरोप पर कि %यूडीएफ के सत्ता में आने पर असल में आईयूएमएल का राज होगा%, थंगल ने पलटवार करते हुए कहा कि चुनाव में जनता का जनादेश ही ऐसे बयानों का सबसे सही जवाब होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले- सशस्त्र सेनाओं की वीरता सिर्फ युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं की वीरता सिर्फ युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, भूकंप और सुनामी जैसी आपदा में भी सेना मदद के लिए तुरंत पहुंचती है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं की वीरता केवल युद्धक्षेत्र तक ही सीमित नहीं हैं। जब भी देश या दुनिया में कोई दुर्भाग्यपूर्ण आपदा आती है, चाहे वह भूकंप हो, बाढ़ हो, सुनामी हो या कुछ और, हमारे सैनिक तुरंत सहायता के लिए पहुंच जाते हैं।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शौर्य संध्या कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि चाहे युद्धक्षेत्र में शौर्य का प्रदर्शन हो या पीड़ितों की सेवा, हमारे सशस्त्र बलों ने हर जगह अपना शौर्य प्रदर्शित किया है। रक्षा मंत्री ने भारतीय रक्षा बलों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनके अद्वितीय शौर्य और अदम्य साहस ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत के सैन्य इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय बना दिया।रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रक्षा मंत्री ने सैनिकों के शौर्य, समर्पण और देशभक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वोपरि और स्वयं से पहले सेवा का उनका सिद्धांत प्राचीन काल से लेकर ऑपरेशन सिंदूर जैसे समकालीन अभियानों तक भारत की सैन्य परंपराओं का आधार रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिक अपने लोगों की रक्षा के लिए हथियारों का इस्तेमाल करते हैं और संकट के समय जरूरतमंदों तक भोजन और दवाइयां पहुंचाते हैं। यही हमारे रक्षा बलों की पहचान है।

संपादकीय Editorial

What is Trump's "storm"?

President Trump remains warmongering. Despite turning Iran into a "graveyard," he has not relented. He continues to threaten a "storm," claiming that no one can stop it. Could Trump now launch a nuclear attack on Iran? The head of the International Atomic Energy Agency (IAEA) has expressed concern about the nuclear situation in Iran and expressed fears of misuse of Iran's nuclear program. However, we do not believe a nuclear accident is likely, as Russian President Putin warned President Trump in a nearly 90-minute conversation that the consequences of an attack would be dire and severe. China has also issued similar statements, and Trump is scheduled to visit China this month. The devastating attacks on Iran since February 28th, coupled with occasional ceasefire dramas, have disrupted the movement of oil, gas, fertilizers, and other commodities to such an extent that the threat of a "great depression" has begun to spread across the world. The International Monetary Fund has also warned of the imminent recession, as global economic growth is showing signs of falling below 2%. If the global energy crisis, supply chain disruptions, and food shortages continue, famine could become a serious threat. International trade could also come to a standstill. The US Pentagon itself reports that $25 billion has been spent on the Iran war so far. This amount could be even higher. The Pentagon has requested an additional $1.5 trillion from Congress, but the US Congress is questioning President Trump's reasons for this war when Iran's nuclear and uranium enrichment programs were destroyed in the 2025 attack. Why is the President renewing this nuclear program? Is Iran's uranium enrichment program still ongoing? Why are troops and warships still present in the Middle East? Can the US Congress force President Trump to order the withdrawal of troops? The $25 billion spent on the war is equivalent to NASA's expenditure, which Trump's feudalistic thinking has squandered. Vice President Vance, who was initially anti-war, has now become embroiled in a conflict with Secretary of War Hegseth. The Vice President alleges that the Secretary of War is misinforming President Trump, which is why the US has not yet been able to win against Iran. The Vice President insists that the war should now be permanently halted. Thus, Trump's cabinet is divided on the issue of war, and the president is threatening a "storm"! The Pentagon is also feeding the president misinformation. The reality is that US stockpiles of missiles, drones, THAAD, Patriot, and other weapons have been significantly depleted. This is a strategically dangerous situation for the US. It could take 3-5 years to produce the required weapons stockpile. Yet, Trump and the Pentagon are issuing statements that any US attack will destroy Iran's power plants, bridges, and waterworks. The question is whether the parliament will still allow President Trump to continue the war, or will Trump, in the face of all-round pressure, declare a unilateral victory, ending the war? Will Iran allow the US to do so? The Supreme Leader and IRGC commanders are also threatening the US with threats that American soldiers and ships will be set on fire and sunk in the sea. Iran has made some new weapons or imported them from Russia, which Iran will now use against American soldiers and ships. Iran is facing very bad economic and business conditions. There is no livelihood available. There is a fear that once again the people there may revolt and take to the streets. Our assessment is not like this, because Iranians remain united during 'storms'. Many countries including India are facing the brunt of this war. On May 1, the price of commercial gas cylinders increased in India. On Friday, news came that the rate of commercial gas has increased.

Yashwantrao Kelkar: An Organizational Architect Who Viewed Society from a Structural Perspective

The work of the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) was initially limited to Mumbai and a few major centers. Starting from Mumbai, Professor Kelkar expanded it to Maharashtra and then the entire country. Born on April 25, 1925, in Pandharpur, Solapur district, Maharashtra, to Vasudev Rao Kelkar, Professor Yashwantrao Kelkar (April 25, 1925 – December 6, 1987) is being especially remembered in this centenary year. He is known as the key architect of the modernization of the Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP), channeling the youth power towards national reconstruction in independent India. After independence in 1947, India faced the challenge of channeling the energy of its youth positively. In this context, ABVP's journey began in 1948 and was formally registered on July 9, 1949. Initially operating on a limited scale, this organization grew into the world's largest student organization through the able leadership and tireless efforts of Prof. Kelkar. While not the founder, he was certainly the architect who provided the organization with a strong methodology, cadre development, and national vision at the national level. Early Life and Education - Born in the holy pilgrimage site of Pandharpur, Yashwantrao was a sharp-minded, hardworking, cheerful, and gifted with a strong memory from childhood. He received a scholarship in the third grade and another scholarship for achieving good marks in Sanskrit in matriculation. After passing the SSC with first division from Lokmanya Vidyalaya, he graduated in English Literature from S.P. College, Pune. Later, he earned a Master's in English Literature from Mumbai University, receiving a gold medal. He joined the Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) while still a student. From 1945 to 1952, he served as a pracharak for the Sangh in Nashik and Solapur districts. During his pracharak career, he established deep connections with the community, which later became a strong foundation for his organizational work. After returning from his missionary work, in 1956, he began working as a professor of English at National College, Bandra, Mumbai. His wife, Professor Shashikala Kelkar, was also a professor of English. The couple had three sons, all well-educated. In accordance with the Sangh's plan, he was entrusted with the responsibility of ABVP in 1958-59. Initially, ABVP's work was limited to Mumbai and a few major centers. Starting in Mumbai, Professor Kelkar expanded it throughout Maharashtra and then the entire country. He initially focused on Mumbai, where activists like Padmanabh Acharya, Bal Apte, Madan Das, Vaishampayan, and Dilip Paranjpe were developed. He then expanded the organization by sending activists to various universities in Maharashtra. With the support of learned preachers like Dattaji Dindolkar from Nagpur, ABVP's nationwide expansion was strengthened. Other contributors included Govindacharya, Ram Bahadur Rai, Mahesh Ji, Professor Sheshgiri Rao, Krishna Bhatt, Om Prakash Kohli, and others. He also served as the All India President of ABVP in 1967-68. That same year, he founded the Inter-State Student Life Philosophy (SEIL) and became its founding president. Later, he served as the founding president of the Vidyarthi Nidhi, established in 1981. His style of work was characterized by the phrase, "We are all fractions, and together we make a whole. All fractions are of equal importance." He believed that no worker was more or less important. Understanding workers as human beings, developing their potential, and inspiring them was the cornerstone of his worker management. He was familiar with their personal lives, family financial situation, and challenges. Based on informal conversations, intimate dialogue, and trust, he connected workers to the organization for life. He was the source of selfless affection and friendship. He used to say, "It is better to create dedicated minds than radical leaders." His vision was to accept workers as they are and mold them according to the organization's principles and policies. He emphasized that workers should be active in nation-building not just for 5-6 years, but for a lifetime. Emergency and Struggle: ABVP strongly opposed the Emergency imposed by Indira Gandhi on June 26, 1975. Prof. Kelkar became the target of repression. He was arrested on December 13, 1975, and spent 19 months in prison. Even in prison, he united ideological warriors and organized physical and intellectual programs. ABVP played an effective role at the national level during the Emergency. After the Emergency, in 1977, he was appointed the head of the Bharatiya Jana Sangh's provincial office for a year, a position he fulfilled efficiently. Despite deteriorating health in the 1980s, he remained active. In 1986, he was appointed the Maharashtra provincial intellectual head. Kelkar's vision was rooted in national reconstruction. He advocated for keeping educational campuses free from politics, increasing educational expenditure, and instilling in students the values ??of "social justice." He championed the inculcation of values ??of patriotism, social harmony, and integral human philosophy. His Holiness Balasaheb Deoras called him "a product of Dr. Hedgewar's family," a testament to the significance of his work. He possessed a positive outlook, inspiring through example rather than pressure. His dedication to work was such that he eschewed personal achievements like a PhD. His life's work was his mission. It was this absorption. Professor Kelkar passed away on December 6, 1987. It has been 39 years since his physical demise (in the context of 2026), but his work remains the backbone of ABVP. Today, the organization is the largest student organization in the world, growing qualitatively and numerically. All the characteristics of ABVP are inspired by his thinking: student power means national power, the role of students in national reconstruction, staying away from party politics, the existence of an academic family, a laboratory for creating workers, collectivism, anonymity, and the spirit of 'today's student is today's citizen.' The Yashwantrao Kelkar Youth Award, given annually in his honor, encourages young social workers. The 'Dear Kelkar Ji Special Reception' program, to be held jointly by the Student Welfare Trust and ABVP in Delhi on May 10, 2025, with RSS Sarkaryavah Dattatreya Hosabale as the chief guest, is a tribute to his birth centenary year. Yashwantrao Kelkar was a skilled teacher, organizer, generous householder, and a mentor to millions of youth. He transformed ABVP into not just a student organization, but a movement towards nation-building. His life exemplifies "manus navaache kaam" (human building)—a journey of transforming fractions into integers. Today, as ABVP continues to progress even after its Amrit Mahotsav, Kelkar's memory reminds us that a true organization rests on the personality development, selfless service, and national consciousness of its workers. Through his tenacity, hard work, and vision, ABVP has grown into a banyan tree. We salute the late Yashwantrao Kelkar. His work ethic and ideals continue to inspire millions of workers even today.

The Oil Market Slipping Out of OPEC's Hands

The UAE's withdrawal from OPEC is not merely a disagreement over production quotas, but a sign of shifting energy sovereignty. It reflects OPEC's changing role in the global oil market and the Gulf countries' diversified energy strategies, where the UAE is making independent decisions for its future economy. The UAE's withdrawal from OPEC signals energy sovereignty. OPEC's role in the changing global oil market is being questioned. The energy politics of the Gulf countries are becoming more diverse. OPEC, or the Organization of the Petroleum Exporting Countries, arose from the aspiration of oil-producing countries to gain greater control over their resources, production, and income. When Iran, Iraq, Kuwait, Saudi Arabia, and Venezuela founded this organization in Baghdad in 1960, their objective was not merely to influence oil prices. They also sought to transform the global system in which oil-producing countries possessed resources, but foreign corporations and consumer countries held decisive influence over prices, production, and income. Against this backdrop, viewing the United Arab Emirates' (UAE) withdrawal from OPEC and OPEC+ solely as a disagreement over production quotas or regional competition would be incomplete. It signals a changing definition of energy sovereignty. In the 1960s, a collective platform for oil-producing countries was essential, but today, in 2026, countries like the UAE have a strong interest in making independent decisions. OPEC gave oil-producing countries collective power. The UAE now seeks to achieve that control based on its capacity, infrastructure, and long-term national strategy, rather than collective production limits. OPEC's historical role is undeniable. It gave oil-producing countries collective power against international oil companies and major consumer countries. In the 1970s, oil ceased to be a mere commodity but became a central element of global politics. Saudi Arabia, with its vast reserves and excess production capacity, held a special place in this system, but today the oil market is unlike ever before. The United States remains the world's largest crude oil producer. Russia, Canada, Brazil, Guyana, and other non-OPEC oil-producing countries are influencing global supply. The expansion of OPEC+ in 2016 was an acknowledgement of this changing reality. OPEC has not become irrelevant, but the oil market has now outgrown its original structure. The UAE's strategy is also aligned with this. It no longer wants to remain solely an oil exporter; it is expanding its role in energy, logistics, finance, technology, and global trade. Being bound by oil production limits is inconsistent with its broader national strategy. For it, this is not just a matter of oil production, but a question of the future economy. While global oil demand has not yet ended, the global economy is gradually shifting toward electrification, clean energy, and climate policies. Therefore, the key question facing low-cost oil-producing countries is whether to limit production to keep prices high or prepare for the future by converting their resources into income in a timely manner. The UAE appears to be leaning toward the latter option. The Iran-US tensions and the instability surrounding the Strait of Hormuz have made this thinking even more relevant. Due to its pipeline infrastructure, the UAE has a limited, but robust, alternative that provides buyers with additional confidence in times of crisis. This is particularly important for Asia. Countries like India, China, Japan, and South Korea are no longer just consumers of oil, but major importers that influence its direction. Their demand, refining capacity, and long-term contracts influence the strategies of oil-producing countries. If the UAE becomes a more flexible and reliable supplier, Asian countries' supply security could be strengthened and the economic pressures associated with energy prices could be alleviated. The US may view such an arrangement, which reduces the influence of a limited number of producers on the oil market, as a positive one. For Russia, this change is mixed. While OPEC Plus gives it a role in oil coordination without formal membership, it is also sure to benefit from OPEC's diminished influence. The UAE's decision poses a challenge for Saudi Arabia, but it would not be correct to label it a regional conflict. Saudi Arabia will always remain important due to its oil reserves and production capacity. The UAE's move indicates that Gulf energy politics is becoming more diverse. Now, Gulf countries can pursue different paths according to their energy priorities. Since many countries still consider OPEC useful, a large-scale exit by member countries is unlikely. Nevertheless, the UAE's move shows that OPEC will not be able to bind all members.

एमएचईए की एजीएम में हंगामा: मुरादाबाद में दो गुटों के बीच तकरार, हाथापाई की नौबत, चुनाव न होने पर चल रही रार

मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (एमएचईए) की एजीएम में दो गुटों के बीच तीखी तकरार हो गई। इस बीच हुए हंगामे में हाथापाई की नौबत तक पहुंच गई। पदाधिकारियों ने सभी प्रक्रियाएं पूरी होने का दावा किया है। मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (एमएचईए) की शनिवार को हुई एजीएम हंगामेदार रही। शुरुआत से अंत तक निर्यातक खुलेतौर पर दो गुटों में बंटे नजर आए। संगठन के चुनाव की मांग पर कुछ दिन पहले से ही खेमेबंदी शुरू हो गई थी। इसका सीधा असर एजीएम में देखने को मिला।दोनों खेमों में जमकर तकरार हुई।

बीच-बीच में निर्यातकों के अपनी सीट से उठकर बहस करने से मामला हाथापाई की नौबत तक भी पहुंच गया। दोनों गुटों ने एक दूसरे पर आरोपों-प्रत्यारोपों की बौछार की। शोरगुल के बीच असंतुष्ट गुट के कई लोग एजीएम बीच में छोड़कर चले गए।हालांकि एमएचईए के पदाधिकारियों का दावा है

कि एजीएम सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद ही समाप्त की गई। कांठ रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में शनिवार रात हुई एजीएम की शुरुआत से ही लग रहा था कि निर्यातकों के दोनों खेमे खुद भी हंगामा तय मानकर पहुंचे थे।

व्यवस्थाओं में बाउंसरों की मदद भी ली गई थी। प्रक्रिया शुरू होते ही लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष हेमंत जुनेजा ने सवाल उठाया कि निर्यातकों की एजीएम में बाउंसर क्यों बुलाए हैं, एमएचईए के पदाधिकारी किससे डरे हुए हैं।इस पर जवाब देने के दौरान एमएचईए के संरक्षक नजमुल इस्लाम कुर्सी छोड़कर आगे बढ़े तो जुनेजा ने कहा कि उन्हें सवाल करने से रोका जा रहा है। नजमुल ने अपनी बात जोरदार ढंग से रखी तो तकरार के बीच हंगामा शुरू हो गया। दोनों के बीच हाथापाई जैसी नौबत आने पर अन्य निर्यातकों ने उन्हें रोका।

इसके बाद तीखे तेवर से उठे निर्यातक विवेक अग्रवाल ने कहा कि मैं एमएचईए का ऑडिटर हूं, मुझे एक चपरासी स्तर के व्यक्ति ने संस्था के व्हाट्सएप ग्रुप से कैसे बाहर कर दिया।

इस सवाल के जवाब के दौरान फिर हंगामा होने लगा। जवाब में व्हाट्सएप ग्रुप हैंग हो जाने की बात कही गई।

इसी तरह एक निर्यातक को संगठन से पांच साल के लिए निष्कासित करने का मुद्दा भी उठा। इस पर नजमुल इस्लाम ने कहा कि पदाधिकारियों की सहमति से ही निकाला गया है। कुछ सदस्यों ने एमएचईए के चुनाव न होने का सवाल उठाया।इस पर कहा गया 2021 में एमएचईए के सदस्यों की सहमति से बोर्ड की बैठक में पास कर दिया गया था कि चुनाव पांच साल में होगा। इसलिए अब 2027 में चुनाव होगा। पांच साल में चुनाव के जवाब पर एक निर्यातक ने बाईलाज की कॉपी मांगी। कहा कि दिखाया जाए कि पांच साल में चुनाव की बात कहां लिखी है।

इस पर कहा गया कि लिखित में मांगने पर कॉपी दे दी जाएगी। एमएचईए के अध्यक्ष नावेद उर रहमान समेत अन्य पदाधिकारियों ने जब-जब सवालों के जवाब दिए तो दूसरी ओर से कहा गया कि हम जवाब से संतुष्ट नहीं हैं। कुछ निर्यातकों ने अक्तूबर के ईपीसीएच फेयर में स्टॉल के खर्च में रियायत और ईपीसीएच मेंबरशिप शुल्क बढ़ाने पर सवाल दागा।

इस पर ईपीसीएच के अध्यक्ष नीरज खन्ना ने कहा कि मुरादाबाद के निर्यातक अंतरराष्ट्रीय फेयर में जाते हैं, वहां पर स्टाल की काफी ज्यादा कीमत चुकाते हैं। ईपीसीएच फेयर में उसके मुकाबले काफी कम कीमत पर स्टॉल हैं। उन्होंने कुछ सवाल ईपीसीएच की बोर्ड की बैठक में रखने की भी बात कही।एक-दूसरे पर लगाया गुंडागर्दी करने का आरोप-निर्यातक विशाल अग्रवाल ने बताया कि ईपीसीएच की बैठक में करीब 20 बाउंसर लगाए गए थे।

कुछ निर्यातकों को अंदर जाने से रोका भी गया। सवाल करने से भी रोका जा रहा था। एमएचईए के पदाधिकारियों की ओर से खुलेआम गुंडागर्दी की जा रही थी।

वहीं, ईपीसीएच के अध्यक्ष नीरज खन्ना का कहना है कि कुछ निर्यातक हंगामा नहीं, गुंडागर्दी करने आए थे। इसका अंदेशा मुझे पहले से था। इसलिए बाउंसर लगाए थे। पुलिस तैनात कराने के साथ एसपी सिटी को भी सूचित कर दिया था।असंतुष्ट गुट का कथन... एमएचईए की बैठक में दहशत का माहौल बनाया गया। बैठक में अवधेश अग्रवाल ने उनकी बात पर ताली नहीं बजाने वालों को स्टॉलों का दलाल कहा। उन्होंने सभी निर्यातकों को अपमानित किया है। एजीएम बीच में बंद कर दी गई। - विशाल अग्रवाल, निर्यातक

बैठक में मेरे सवालों का कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। एमएचईए के पदाधिकारियों ने निर्यातकों को अपमानित किया। इसलिए कई निर्यातक बिना खाना खाए ही चले गए। - नदीम खान, निर्यातक

एमएचईए के पदाधिकारी एजीएम किसी सवाल का ठीक से जवाब नहीं दे पाए। ताली नहीं बजाने पर निर्यातकों को दलाल कहा गया। - परवेज आलम, निर्यातक

एजीएम में बाउंसर क्यों बुलाए गए जबकि यह निर्यातकों की बैठक थी। एमएचईए के पदाधिकारी किससे डरे हुए थे। वे मेरे किसी सवाल का जवाब नहीं दे पाए। - हेमंत जुनेजा, मंडल अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती

बिना सवालों के जवाब दिए एमएचईए के पदाधिकारी उठकर चले गए। बैठक की गई थी तो सभी सवालों के जवाब भी देने चाहिए थे।- अजय शाह, निर्यातक

एमएचईए पदाधिकारियों का कथन ... बैठक में जो भी सवाल किए गए उनका जवाब दिया गया। बैठक में जिन लोगों ने गाली-गलौज की है, उनकी रिकॉर्डिंग है। जरूरत पड़ी तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। - नीरज खन्ना, अध्यक्ष, ईपीसीएच

मेरे ऊपर लगाए गए आरोप गलत हैं। मैंने कहा कि कुछ लोग फेयर में स्टॉल लेकर बेच देते हैं। इस बार इस तरह की दलाली करने वाले निर्यातकों को स्टॉल नहीं दिया जाएगा। - अवधेश अग्रवाल, महासचिव, एमएचईए

एजीएम में एमएचईए का लेखाजोखा सर्वसम्मति से पास किया गया। इस दौरान निर्यातकों में आपस में नोकझोंक हुई। सभी सवालों के स्पष्ट जवाब दिए गए। -नावेद उर रहमान, अध्यक्ष, एमएचईए

दो-तीन साल से 50 निर्यातकों ने सदस्यता शुल्क नहीं जमा किया है। इन सभी को निकाल दिया जाएगा। बैठक में सभी सवालों के जवाब दिए गए। - नजमुल इस्लाम, संरक्षक, एमएचईए

संक्षिप्त समाचार

प्रदूषण फैलाने वाली 34 और इकाइयों पर सख्ती, बंद करने की मिली अनुमति

जिले में प्रदूषणकारी इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड निदेशालय लखनऊ ने पहले 32 इकाइयों को बंद कराने की अनुमति दी थी, वहीं अब यह संख्या बढ़ाकर 66 हो गई है। निदेशालय ने अब 34 इकाइयों को बंद करने की अनुमति प्रदान कर दी है।क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड डीके गुप्ता ने बताया कि ये इकाइयां नगर निगम और नगर पंचायत क्षेत्रों में संचालित हो रही हैं और लंबे समय से पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन कर रही थीं। इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए पत्राचार किया है। इन इकाइयों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन से भी सहयोग मांगा गया है। साथ ही संबंधित थानों से पुलिस बल उपलब्ध कराने की मांग की गई है, जिससे कार्रवाई बिना किसी बाधा के पूरी की जा सके। इन इकाइयों से निकलने वाला प्रदूषण आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है। वायु और जल प्रदूषण के कारण श्वसन संबंधी बीमारियों सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ने की आशंका बनी रहती है।हालांकि, स्थानीय लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इतनी लंबी अवधि तक इन इकाइयों को नियमों का उल्लंघन करने की अनुमति कैसे मिलती रही।

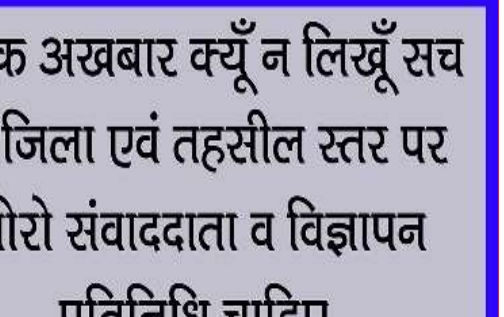

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

कुकर्म के बाद बालक की हत्या करने वाला आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

थाना केमरी पुलिस ने 7 वर्षीय बालक के साथ कुकर्म के बाद हत्या करने के आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।14 अप्रैल 2026 को अंबेडकर जयंती शोभायात्रा के दौरान क्षेत्र के एक गांव का बालक लापता हो गया था। पिता ने 15 अप्रैल को केमरी थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी थी। इसी बीच 17 अप्रैल को बालक का शव पास के ही एक खेत में पड़ा मिला। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बालक के साथ कुकर्म की पुष्टि हुई थी। पिता की तहरीर पर बालक के साथ कुकर्म करने के बाद हत्या कर शव जंगल में फेंकने का मुकदमा दर्ज किया गया। साथ ही पॉक्सो एक्ट की धारा भी बढ़ाई गई।विवेचना के दौरान मुकदमें में आरोपी रेहान निवासी ग्राम खेमपुर थाना केमरी रामपुर का नाम प्रकाश में आया। शनिवार रात को थाना केमरी पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि आरोपी रेहान ग्राम खेमपुर के पास स्थित सुंदरलाल लोधी इंटर कॉलेज के पास वाले खेत में झोंपड़ी में छुपा हुआ। सूचना पर थाना केमरी पुलिस द्वारा छिपते छिपाते खेत से होते हुए उक्त झोंपड़ी के पास पहुंचे तो आरोपी द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गई। आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम द्वारा जवाबी फायरिंग करने पर उक्त अभियुक्त रेहान के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर , एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना केमरी आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं घायल आरोपी रेहान को उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष हिमांशु चौहान, उपनिरीक्षक अंशुल कुमार व गौरव कुमार, हेड कांस्टेबल हिमेंद्र सिंह, कांस्टेबल विक्की देवल शामिल रहे।

अब बाहर का खानपान होगा महंगा...चाय और कॉफी तक तेवर दिखाने को तैयार

मुरादाबाद । पश्चिम बंगाल में आखिरी चरण के मतदान बीतने के दो दिन बाद ही कामर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 993 रुपये बढ़ोत्तरी का चाबुक चला है। इसकी सीधी मार होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा संचालकों के साथ ही ग्राहकों पर पड़ना तय है। दाम बढ़ने के अगले ही दिन कारोबारियों के चेहरे पर तनाव बढ़ गया है। हालांकि इसकी जद में सड़क किनारे जलपान की दुकानें और ठेले पर फास्टफूड, चाय-समोसा और अल्पाहार बेचने भी आएंगे। कामर्शियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में 993 रुपये की बढ़ोत्तरी को होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा संचालक अप्रत्याशित और मनमाना बता रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार कारोबारियों के साथ ही ग्राहकों की कमर भी तोड़ना चाह रही है। जाहिर है कि इसकी भरपाई तो कारोबारी उनके प्रतिष्ठान पर आने वाले ग्राहकों से ही करेंगे। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा कामर्शियल गैस सिलेंडर में की गई 993 रुपये की बढ़ोतरी के बाद कीमत अब 3,071.50 रुपये हो गया है। जो एक झटके में दो से तीन हजार को पार कर गया। वहीं पांच किलो छोटे गैस सिलेंडर पर भी 261 रुपये बढ़ाने से अब इसका रेट आठ सौ के पार हो गया।एजेंसियों से गायब हुए छोटू सिलेंडरसरकार और पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा गैस एजेंसियों पर मिलने वाले पांच किलो के छोटू गैस सिलेंडर के दाम भी 261 रुपये बढ़ा दिए गए हैं। जिसके बाद इसकी कीमत 810.50 रुपये हो गया है। कीमतों में बढ़ोत्तरी के अगले दिन ही शनिवार को इसे खरीदने के लिए जब ग्राहक गैस एजेंसी के शोरूम पर पहुंचे तो अधिकांश ने छोटू सिलेंडर उपलब्ध न होने की बात बताई। कांठ रोड के समीप स्थित आशुतोष गैस एजेंसी पर छोटा गैस सिलेंडर उपलब्ध न होने की जानकारी वहां बैठे कर्मचारियों ने बताई। वहीं एक महिला द्वारा घरेलू गैस कनेक्शन पर डीबीसी सुविधा के लिए कहने पर टका सा जवाब दिया गया कि अभी डीबीसी पर रोक है, जब वितरण का आदेश मिलेगा तो दिया जाएगा। जिले में कामर्शियल गैस कनेक्शनधारी 2168, नार्मल उपलब्धता का दावा जिले में कामर्शियल गैस कनेक्शन के धारकों की संख्या 2168 है। उन्हें भी अमेरिका-ईरान युद्ध की मार के चलते आपूर्ति संकट झेलना पड़ रहा है। अभी आपूर्ति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है, हालांकि विभाग का दावा है कि लगभग सामान्य उपलब्धता है। किसी विशेष अवसर के लिए अधिक सिलेंडर की जरूरत पर अधिकारियों से पूर्व अनुमति लेनी पड़ रही है। बढ़ी कीमतों का बोझ ग्राहकों पर डालना मजबूरी-कांठ रोड पर एक नॉनवेज कॉर्नर संचालक से कामर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतों के बारे में पूछने पर पहले तो चौंक गया। इसकी जानकारी देने पर दुकान में प्रयोग हो रहे कामर्शियल गैस सिलेंडरों को दिखाया। महंगाई की भरपाई कैसे होगी के सवाल पर कहा निश्चित रूप से सभी खाने की आइटम की कीमतें बढ़ानी पड़ेगी, न चाहते हुए भी ग्राहकों पर ही बोझ डालना पड़ेगा, अन्यथा घाटा होने पर कारोबार ही ठप हो जाएगा।वहीं एक ठेले पर समोसा बेच रहे दुकानदार ने कहा कि कामर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने के चलते लगता है दुकान बंद करना पड़ेगा, क्योंकि छोटे दुकानदार के दाम बढ़ाने पर ग्राहक उनसे उलझने और लड़ने को तैयार हो जाते हैं। बड़े रेस्टोरेंट और होटल वालों से कोई नहीं लड़ेगा। घरेलू गैस सिलेंडर व पेट्रोल की कीमतें भी बढ़नी संभावित-भले ही अभी घरेलू रसोई गैस सिलेंडर, पेट्रोल की कीमतें सरकार ने नहीं बढ़ाई है। लेकिन लोगों में इसके भी दाम बढ़ने की चर्चा है। बूथों पर पुनर्मतदान हो रहा है, शायद इसीलिए घरेलू गैस सिलेंडर, पेट्रोल की कीमतें राजनीतिक चतुराई के चलते न बढ़ी हो, लेकिन यह भी बढ़ेंगे तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। क्योंकि इस सरकार में हर चीज की कीमतें आसमान छू रही हैं। आम आदमी तो महंगाई की मार झेलने के लिए लाचार है। जिलापूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने बताया कि जिले में कामर्शियल गैस सिलेंडर के कनेक्शन दो हजार से अधिक है। बीच में आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन वर्तमान में स्थिति लगभग सामान्य है। शादी विवाह व अन्य मांगलिक कार्य में अधिक कामर्शियल गैस सिलेंडर की जरूरत के लिए कार्ड दिखाकर पूर्व अनुमति लेनी होगी। जिलाधिकारी के निर्देश पर वास्तविक जरूरतमंद परिवार में किसी विशेष आयोजन का कार्ड देखकर सीमित अनुमति दी जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कृषि योजनाओं की समीक्षा और स्थलीय निरीक्षण

टास्क फोर्स अधिकारी ने की सराहना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। कृषि निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा नामित टास्क फोर्स अधिकारी एवं संयुक्त कृषि निदेशक (बाढ़ो0यो0) अनिल कुमार यादव ने शनिवार को बरेली मण्डल के संयुक्त कृषि निदेशक कार्यालय में समीक्षा बैठक की। इस बैठक में मण्डल के अंतर्गत आने वाले सभी जनपदीय एवं मण्डल स्तरीय कृषि अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए आवश्यक तैयारियों पर भी चर्चा की गई। योजनाओं की प्रगति से अवगत होने के बाद टास्क फोर्स अधिकारी ने जनपद में भ्रमण कर योजनाओं का स्थलीय सत्यापन भी किया। निरीक्षण के क्रम में विकास खण्ड भोजीपुरा के ग्राम हमीरपुर में परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत संचालित क्लस्टर का निरीक्षण किया गया। यहां लाभार्थियों एवं क्लस्टर के एलआरपी ओम प्रकाश से योजना से प्राप्त लाभों की जानकारी ली गई।

इसके साथ ही विकास खण्ड बिथरी चैनपुर के ग्राम नवदिया हरकिशन में कृषक नन्दन सिंह के खेत पर गन्ना एवं मूंग तथा कृषक पुष्पेन्द्र पटेल के खेत पर गन्ना एवं उर्द की सहफसली खेती का निरीक्षण किया गया। टास्क फोर्स अधिकारी अनिल कुमार यादव ने किसानों के बीच बरेली जनपद में कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की सराहना की।

इस अवसर पर उप कृषि निदेशक बरेली हिमांशु पाण्डेय सहित कृषि विभाग के अन्य क्षेत्रीय कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बरेली में गरजा रालोद का दम क्षेत्रीय अध्यक्ष रामवीर सिंह का भव्य स्वागत

विजय बहादुर कार्यवाहक रूप में रहेंगे जिलाअध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के रोहिलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष रामवीर सिंह का रविवार को बरेली आगमन पर जोरदार और भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान सर्किट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें संगठन को मजबूत बनाने और किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि पिछले कुछ समय से जिला अध्यक्षों के बीच आपसी मतभेद के कारण संगठन में शिथिलता आ गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार विजय बहादुर सक्सेना को कार्यवाहक जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके बावजूद पूर्व जिला अध्यक्ष वाजिद हुसैन द्वारा भ्रम की स्थिति बनाई जा रही थी, जिसे समाप्त करने के लिए उनका बरेली आना जरूरी हुआ।

उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे एकजुट होकर कार्यवाहक जिला अध्यक्ष विजय बहादुर सक्सेना का सहयोग करें और पार्टी को जनपद में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं, ताकि केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के हाथ मजबूत हो सकें।

इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट मोहम्मद मतलूब ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि वह और उनका परिवार हमेशा पार्टी के प्रति वफादार रहा है और वर्तमान जिला अध्यक्ष को उनका पूरा समर्थन रहेगा।

कार्यवाहक जिला अध्यक्ष विजय बहादुर सक्सेना ने अपने संबोधन में कहा कि वह तन-मन-धन से पार्टी को आगे बढ़ाने का काम करेंगे और सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान बनाए रखेंगे।

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश सचिव सर्वेश पाठक और सैनिक प्रकोष्ठ के कुलदीप पवार ने क्षेत्रीय अध्यक्ष रामवीर सिंह का स्वागत किया।

इस अवसर पर एडवोकेट मोहम्मद मतलूब, राजवीर उपाध्याय, गीता सिन्हा, राजवीर चौधरी, शाहवान खान, कमलजीत सिंह, सचिन चौधरी, योगेंद्र, शहादत हुसैन, डॉ. अय्यूब, ओमपाल कश्यप, चंदा बाबू, अबरार, रोहित चौधरी, वीरेंद्र गंगवार, सभासद अख्तर, मुस्तफा, तौफीक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रद्धा और सेवा के साथ मनाया गया सुधांशु जी महाराज का 71वां जन्मोत्सव

रक्तदान शिविर का किया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। विश्व जागृति मिशन बरेली मंडल द्वारा परम पूज्य गुरुदेव सुधांशु जी महाराज के 71वें पावन जन्मोत्सव के अवसर पर रविवार को विभिन्न आध्यात्मिक एवं सेवा कार्यों का श्री भारत माता मंदिर राजेंद्र नगर में भव्य आयोजन किया गया। भक्ति और परोपकार के इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं अनुयायियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात:काल महिला प्रधान ममता गर्ग, सविता अरोड़ा, शांति बिष्ट एवं वंदना अग्रवाल द्वारा सामूहिक गणेश वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात भजन-कीर्तन एवं सत्संग का आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने गुरुदेव के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की।इस अवसर पर गुरुदेव के 71वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 71 दीप प्रज्वलित किए गए। दीप प्रज्वलन का शुभारंभ विश्व जागृति मिशन के महामंत्री पवन कुमार अरोड़ा, संजय गर्ग के द्वारा किया गया। गुरुदेव के 'सेवा ही धर्म' के संदेश को आत्मसात करते हुए प्रात: 8-30 बजे से एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं एवं समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसमें कुल 23 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

आध्यात्मिक कार्यक्रमों के उपरांत आरती, प्रसादी भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने अनुशासित रूप से प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम की सफलता में गुलशन आनंद, मधु सक्सेना, प्रियंका मौर्या, राकेश अग्रवाल, रश्मि अग्रवाल, मंजू गोयल, संजय गर्ग, शिवम, महेंद्र पाठक,कृष्ण अरोड़ा, वेद अरोड़ा, नरेंद्र नाथ खुराना , महेंद्र गंगवार, प्रमोद सक्सेना, प्रियंका मौर्य , सुमित्रा गंगवार एवं संजीव अग्रवाल राकेश गुप्ता, गीतेश गुप्ता, रामबाबू अग्रवाल, इंदिरा खंडेलवाल, इंदु गोयल, राजेश कटिया, रमाशंकर पचौरी सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम संयोजक संदीप मेहरा ने बताया कि गुरुदेव का जन्मोत्सव प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर और आध्यात्मिक गतिविधियों के माध्यम से मनाया जाता है।

मंडल अध्यक्ष बनने पर रामऔतार गंगवार का भव्य स्वागत

कुर्मी क्षत्रिय सभा में खुशी की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। कुर्मी क्षत्रिय सभा की मासिक बैठक के दौरान जैसे ही रामऔतार गंगवार के मंडल अध्यक्ष बनने की घोषणा हुई, पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला। सभा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें फूलमालाओं से लादकर जोरदार स्वागत किया और बधाइयों की झड़ी लगा दी।

स्वागत समारोह में वक्ताओं ने विश्वास जताया कि रामऔतार गंगवार के नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती और दिशा मिलेगी। साथ ही कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। जिला अध्यक्ष केपी सेन गंगवार ने इसे पूरे समाज के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत, अनुभव और समर्पण का परिणाम है। उनके नेतृत्व में समाज का मान-सम्मान और बढ़ेगा।

सभा के उपाध्यक्ष रघुवीर गंगवार ने उम्मीद जताई कि रामऔतार गंगवार कर्मचारियों की आवाज को मजबूती देंगे और उनके हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाएंगे

बरेली में बड़ी घटना: तालाब में डूबकर तीन बच्चों की मौत, गांव में मचा कोहराम

बरेली के मीरगंज क्षेत्र के तिलमास गांव में रविवार दोपहर तालाब में नहाने गए तीन बच्चों के शव मिलने से हड़कंप मच गया। अंश, आयुष और देव नाम के इन बच्चों को परिजन अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से गांव में कोहराम मच गया। बरेली के मीरगंज क्षेत्र के तिलमास गांव में रविवार दोपहर एक हृदयविदारक घटना हुई। गांव के तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। इस हादसे में एक चौथा बच्चा डूबने से बच गया, जिसने अपने साथियों को आंखों के सामने डूबते देखा। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है।मृतकों की पहचान आठ वर्षीय अंश, नौ वर्षीय आयुष और ग्यारह वर्षीय प्रवेंद्र के रूप में हुई है, जबकि दस वर्षीय गबनीश को सुरक्षित बचा लिया गया। ये चारों बच्चे रविवार दोपहर करीब तीन बजे गांव से एक किलोमीटर दूर सड़क किनारे स्थित तालाब में नहाने गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अंश, आयुष और प्रवेंद्र गहरे पानी में चले गए और संतुलन बिगड़ने से डूबने लगे। गबनीश ने मदद के लिए चीखना शुरू किया, लेकिन समय पर कोई सहायता नहीं मिल पाई। तालाब के पास मछली पालन करने वाले राजू घटना के समय सो रहे थे। गबनीश की चीख-पुकार सुनकर जब तक राजू वहां पहुंचे, तब तक तीनों बच्चे पानी में डूब चुके थे। राजू ने बच्चों को तालाब से बाहर निकाला और परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

ग्रामीण बोले- तालाब पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं

ग्रामीणों ने बताया कि यह तालाब सड़क किनारे स्थित है और सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं। न कोई चेतावनी बोर्ड लगा है और न ही बच्चों को रोकने के लिए घेराबंदी की गई है। इस दर्दनाक हादसे ने प्रशासनिक लापरवाही और जलाशयों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था की कमी को उजागर कर दिया है। गांव में शोक का माहौल- तीनों मासूमों की मौत की खबर से तिलमास गांव में चीख-पुकार मच गई। माताओं का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं परिजन और ग्रामीण गहरे सदमे में हैं। एक ही समय में तीन घरों के चिराग बुझ जाने से पूरा गांव गमगीन हो गया है।

KYUN NA LIKHUN SACH

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .

उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली

,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान

आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला

ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करे-9027776991

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, गंगा स्नान के दौरान युवक डूबा; गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन जारी

बुलंदशहर देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव कुछेजा निवासी सुखवीर सिंह की पुत्री ज्योति की शादी गत 29 अप्रैल को धूमधाम से संपन्न हुई थी। शादी की रस्मों और विदाई के बाद रविवार को परिवार में

खुशी का माहौल था। इसी बीच, परिवार के पांच सदस्य रवि (25), ललित, दिनेश, सुरेंद्र और सोमवीर गंगा स्नान की इच्छा जताते हुए नरसेना क्षेत्र के मांडू गंगा घाट पर पहुंचे थे।यूपी के बुलंदशहर स्थित नरसेना थाना क्षेत्र स्थित मांडू गंगा घाट पर रविवार को भतीजी की शादी संपन्न होने के बाद परिवार के साथ गंगा स्नान करने आए एक युवक गहरे पानी में डूबने लगा। छोटे भाई को डूबता देख बड़े भाई ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह खुद भी डूबने लगा। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने बड़े भाई को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन छोटा भाई गंगा की तेज धारा में विलीन हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और गोताखोरों की टीम देर शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी रही, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका है।बुलंदशहर देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव कुछेजा निवासी सुखवीर सिंह की पुत्री ज्योति की शादी गत 29 अप्रैल को धूमधाम से संपन्न हुई थी। शादी की रस्मों और विदाई के बाद रविवार को परिवार में खुशी का माहौल था। इसी बीच, परिवार के पांच सदस्य रवि (25), ललित, दिनेश, सुरेंद्र और सोमवीर गंगा स्नान की इच्छा जताते हुए नरसेना क्षेत्र के मांडू गंगा घाट पर पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घाट पर गंगा की मुख्य धारा काफी दूर थी। ऐसे में ये सभी लोग करीब एक किलोमीटर दूर उस स्थान पर चले गए जहां पानी करीब था। वहां रवि और ललित सहित अन्य लोग पानी में उतरे। इसी दौरान रवि अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। भाई को संकट में देख ललित ने उसे बचाने के लिए हाथ बढ़ाया और गहरे पानी में कूद गया, लेकिन जल स्तर और बहाव अधिक होने के कारण दोनों भाई संघर्ष करने लगे। चीख-पुकार सुनकर आस-पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण और साथ आए अन्य लोग मौके की ओर दौड़े। उन्होंने किसी तरह कड़ी मशक्कत कर ललित को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन रवि देखते ही देखते आंखों से ओझल हो गया। सूचना मिलते ही थाना नरसेना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों को तुरंत पानी में उतारा गया, लेकिन देर शाम तक भी रवि का पता नहीं चल सका है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पीड़ित ललित ने रुंधे गले से बताया कि करीब 10 वर्ष पूर्व उन्होंने इसी क्षेत्र में 12 बीघा जमीन खरीदी थी। खेत के पास से ही गंगा गुजर रही थी, इसलिए उन्होंने सोचा कि यहीं स्नान कर लेते हैं। उन्हें इस बात का कतई अंदाजा नहीं था कि इस स्थान पर गंगा का जल स्तर इतना अधिक और खतरनाक हो सकता है। वहीं, सूचना मिलने पर सीओ स्याना रामकरन सिंह भी मौके पर पहुंच गए हैं। उनके निर्देशन में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। गंगा में स्नान के दौरान एक युवक के लापता होने की सूचना मिली है, उसकी तलाश में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। जल्द ही उसे तलाश कर लिया जाएगा। - रामकरन सिंह, सीओ स्याना

पहले जमीन में मेरा हिस्सा दो, तब करना अब्बू को दफन, बेटे ने रुकवाई कब्र की खोदाई; पंचायत में हुआ बंटवारा

यूपी के अमरोहा में एक बेटे ने अपने पिता का दफीना रुकवा दिया। चार घंटे तक जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद होता रहा। मौके पर पहुंची पुलिस के दखल के बाद पंचायत हुई। इसमें जमीन को तीन जगह बांटी गई। तब दफीने की प्रक्रिया पूरी की गई।अमरोहा के डिडौली थाना इलाके के गांव सलारपुर माफी में जमीन में हिस्से की जिद पर अड़े एक शख्स ने बुजुर्ग पिता का दफीना रुकवा दिया। जिस वक्त कब्र खोदी जा रही थी, वह तमतमाए तेवरों के साथ आ गया और कब्र की खोदाई रुकवाकर दफन में लगे छोटे भाई से जमीन के बंटवारे की जिद करने लगा।धमकाने वाली शैली में कहा-पहले जमीन का बंटवारा करके मुझे हिस्सा दो तभी अब्बू की कब्र खोदने दूंगा। मौके पर पहुंची पुलिस ने मोअज्जिज लोगों को शामिल करते हुए पंचायत कराई। इसके बाद दोनों भाइयों और उनकी मां के बीच साढ़े छह बीघा जमीन का बंटवारा किया गया। इससे चार घंटे बाद बुजुर्ग के दफन की प्रक्रिया पूरी हो सकी। हिस्से में आई महज 2.17 बीघा जमीन के लिए पिता का दफन रोकने के मामले पर पुलिस ने भी हैरानी जताई है।

सूरजपुर जिले ओडगी में भीषण सड़क हादसा: गर्भवती महिला सहित नवविवाहित दंपती की मौत, उग्र प्रदर्शन से थमा यातायात

क्यूँ न लिखूँ सच / ओडगी (सूरजपुर) – जिले के ओडगी थाना क्षेत्र अंतर्गत कुल्लू घटिया में हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को शोक और आक्रोश में डुबो दिया। जेसीबी वाहन की तेज रफ्तार और लापरवाही ने एक नवविवाहित दंपती की जिंदगी छीन ली। हादसे में लल्लू चंद्र चरवा (24 वर्ष), पिता लालमनि, निवासी ठरगी गांव तथा उनकी पत्नी अंजू लता (22 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों की शादी अभी एक वर्ष पूर्व ही हुई थी और मृतिका गर्भवती थी, जिससे यह घटना और अधिक हृदयविदारक बन गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दंपती पालदलौनी से ओडगी की ओर बाइक से आ रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे जेसीबी वाहन ने कुल्लू घटिया के पास उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। नाबालिग चालक का आरोप, बढ़ा आक्रोश- घटना के बाद ग्रामीणों में भारी रोष फैल गया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जेसीबी वाहन एक नाबालिग चला रहा था। इस गंभीर आरोप को लेकर ग्रामीणों ने चालक और वाहन मालिक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। चक्का जाम, बस स्टैंड बना प्रदर्शन स्थल- घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ओडगी बस स्टैंड में चक्का जाम कर दिया, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। प्रदर्शनकारियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी, कठोर कार्रवाई तथा मृतक परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। पुलिस और प्रशासन मौके पर, जांच जारी- सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। एक तरफ जहां परिवार ने अपने दो सदस्यों को खो दिया, वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही और सड़क सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

फर्रुखाबाद में सपा की मासिक बैठक: बूथ मजबूती पर मंथन, 24 से ज्यादा लोगों ने ली पार्टी की सदस्यता

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद में मासिक बैठक में संगठन मजबूती पर जोर: पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत कहा-संगठन की शक्ति से ही किसी को जिताया या हराया जा सकता है

फर्रुखाबाद के आवास विकास स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में जिला संगठन की मासिक बैठक आयोजित की गई।

जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने इसकी अध्यक्षता की, जबकि जिला उपाध्यक्ष मुन्ना यादव ने बैठक का संचालन किया।

इस बैठक में दो दर्जन से अधिक लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इनमें गैसिंगपुर के प्रधान शरद राठौर (मोनू) के बेटे विशाल सिंह राठौर और प्रशांत सिंह राठौर अपने कई साथियों के साथ शामिल हुए।

बैठक के दौरान पवन कठेरिया, जो देवरामपुर के प्रधान हैं, को सदर विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी मनोनीत किया गया।

मुख्य रूप से बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और जिला नेतृत्व का बूथ से सीधा संपर्क स्थापित करने जैसे बिंदुओं पर चर्चा हुई।

कार्यकर्ताओं से एकजुट होने का आह्वान-

जिलाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने सरकार में रहते हुए जनहित के कई कार्य किए हैं।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन कार्यों को जनता के बीच पहुंचाने से विरोधियों के झूठ बेनकाब होंगे। उन्होंने यह भी कहा

कि प्रशांत सिंह और विशाल सिंह के पार्टी में आने से मोहम्दाबाद क्षेत्र में पार्टी को मजबूती मिलेगी।

पूर्व विधायक उर्मिला राजपूत ने भाजपा पर प्रशासन के कंधे पर गुंडागर्दी

करने का आरोप लगाया और कार्यकर्ताओं से एकजुट होने का आह्वान किया। वरिष्ठ नेता डॉ. जे.पी. वर्मा ने संगठन की ताकत पर जोर देते हुए कहा कि संगठन की शक्ति से ही किसी को जिताया या हराया जा सकता है।

इस अवसर पर प्रदेश सचिव मनोज मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र शाक्य, जिला प्रवक्ता / सचिव राधेश्याम सविता, भोजपुर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह यादव,

महिला सभा जिलाध्यक्ष सुलक्षणा सिंह, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अरविंद कश्यप, जिला उपाध्यक्ष सुमित शाक्य, पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजीव शाक्य,

नगर अध्यक्ष कमालगंज बिल्लू श्रीवास्तव और प्रदेश सचिव अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ राकेश दिवाकर (राका) सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे और अपने विचार व्यक्त किए 7

8 महीने से अंधेरे में डूबा महुली क्षेत्र में– सोलर प्लांट ठप, भीषण गर्मी में बेहाल ग्रामीण, कलेक्टर से त्वरित हस्तक्षेप की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / (बिहारपुर)। जिले के दूरस्थ और पहाड़ी अंचल चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में बिजली की सुविधा आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसी समस्या को दूर करने के लिए ष्टत्रश्चष्ठ द्वारा कुछ समय पहले सोलर पावर प्लांट स्थापित कर ग्रामीणों के घरों तक रोशनी पहुंचाई गई थी। शुरुआत में यह व्यवस्था ग्रामीणों के लिए राहत भरी साबित हुई, लेकिन अब यह सुविधा पूरी तरह चरमराकर ठप हो चुकी है। इनवर्टर खराब, 8 महीने से बंद पड़ी व्यवस्था- ग्रामीणों के अनुसार महूली चौकीदार पारा में स्थापित सोलर प्लांट का मुख्य इनवर्टर लगभग 8 महीनों से खराब पड़ा हुआ है। इस वजह से पूरे इलाके में बिजली आपूर्ति बंद है और गांव फिर से अंधेरे में डूब गया है। कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। भीषण गर्मी में हालात बदतर- इन दिनों क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी ने ग्रामीणों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। बिजली न होने के कारण पंखे-कूलर बंद हैं, जिससे लोग दिन-रात गर्मी और उमस से जूझ रहे हैं। बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे- बुजुर्ग और महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित- रात में अंधेरा और असुरक्षा का माहौल ग्रामीणों का कहना है कि वे सुबह, दोपहर और शाम तक बार-बार पानी से राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। विभागीय लापरवाही पर उठे सवाल स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि जिम्मेदार अधिकारी लगातार लापरवाही बरत रहे हैं। शिकायतों के बावजूद न तो मौके पर निरीक्षण किया गया और न ही खराब उपकरण को सुधारने की कोई पहल हुई। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि खराब इनवर्टर को तत्काल बदला या सुधारा जाए सोलर प्लांट को फिर से चालू किया जाए भविष्य में ऐसी समस्या न हो, इसके लिए स्थायी समाधान किया जाए ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सरकार की महत्वाकांक्षी सोलर योजना, जो ग्रामीणों के जीवन में रोशनी लाने के लिए बनाई गई थी, आज विभागीय लापरवाही के कारण खुद अंधेरे में डूब गई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर कितनी तेजी से कार्रवाई करता है।

संक्षिप्त समाचार

अंबेडकरनगर हत्याकांड में बड़ा मोड़, अब तक आरोपी बताई जा रही महिला की लाश नाले में मिली

यूपी के अंबेडकरनगर जिले में चार बच्चों की हत्या की आरोपी बताई जा रही मां की लाश नाले में मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शनिवार को अंबेडकरनगर में एक हत्याकांड सामने आया था जिसमें एक घर में चार मासूम बच्चों की लाश पाई गई थी।

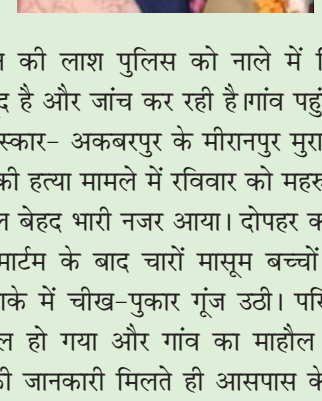

उन बच्चों के सिर्फ मां थीं। मां का फोन गायब थी। शक था कि ये द्वारा ही की मामले में मोड़ को आया जब उस घर में अलावा घटना के बाद बंद और वो पुलिस को हत्या मां के गई है। रविवार शाम आरोपी गासिया खातून की लाश पुलिस को नाले में मिली। पुलिस मौके पर मौजूद है और जांच कर रही है।गांव पहुंचे शव, किया गया अंतिम संस्कार- अकबरपुर के मीरानपुर मुरादाबाद में चार मासूम बच्चों की हत्या मामले में रविवार को महरुआ के कसड़ा गांव का माहौल बेहद भारी नजर आया। दोपहर करीब एक बजे जैसे ही पोस्टमार्टम के बाद चारों मासूम बच्चों के शव गांव पहुंचे, पूरे इलाके में चीख-पुकार गूंज उठी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और गांव का माहौल शोक में डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। हर कोई बच्चों के अंतिम दर्शन के लिए घर के बाहर जमा हो गया। लोगों की भीड़ देर तक बनी रही और पूरे गांव में सन्नाटा पसरा रहा। जोहर की नमाज के बाद चारों बच्चों का अंतिम संस्कार किया गया। एक साथ चार जनाजे उठने का दृश्य हर किसी को अंदर तक झकझोर गया। गांव के कब्रिस्तान में सऊद (12) और उमर (10) को एक साथ दफन किया गया, जबकि शफीक (14) और बयान (8) को पास में ही अलग-अलग सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव व कई थानों की पुलिस उपस्थित रही। खून से लथपथ मिले थे चारों बच्चों के शव- शनिवार को मीरानपुर मुरादाबाद में एक घर के अंदर चारों बच्चों के शव खून से लथपथ मिले थे। शुरुआती जांच में ईंट और हथौड़े से हमला कर हत्या की बात सामने आई थी। घर अंदर से बंद मिला था और मां गासिया खातून के लापता होने से उस पर शक गहराया था। आशंका जताई गई थी कि बच्चों को पहले नशीला पदार्थ दिया गया और फिर वारदात को अंजाम दिया गया।

हाईटेंशन लाइन के तार काटने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के 10 सदस्य पकड़े, तारों के करंट को ऐसे करते थे बंद

शामली जिले की बाबरी थाना पुलिस और सर्विलांस टीम ने इन बदमाशों को पकड़ा। इनसे 15 क्विंटल वजन के तार, तीन पिकअप, एक कार और तार काटने के उपकरण बरामद हुए हैं। ये लोग दिल्ली एनसीआर के जिलों के अलावा राजस्थान में वारदातें करते पुलिस और सर्विलांस टीम ने लाइन के तार चोरी करने वाले के 10 सदस्यों को गिरफ्तार कब्जे से चोरी के करीब 25 23 बंडल तार, घटना में प्रयुक्त एक कार और तार काटने के किए। इस गिरोह के छह सदस्य नहीं आ सके। यह गिरोह दिल्ली जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान में तार चोरी की शामिल रहा है।एसपी एनपी सिंह पुलिस लाइन सभागार में प्रेसवार्ता में बताया कि बाबरी सर्विलांस टीम ने शनिवार देर दौरान हाईटेंशन विद्युत तार चोरी अंतर्राज्यीय गिरोह के 10 सदस्य किया। गिरफ्तार आरोपियों के उर्फ गोलू, उसका भाई नितिश नगर नई दिल्ली, फरमान निवासी

हरियाणा व थे।बाबरी थाना हाईटेंशन विद्युत अंतर्राज्यीय गिरोह किया है। उनके क्विंटल वजन के तीन पिकअप, उपकरण बरामद अभी पकड़ में एनसीआर के हरियाणा और वारदातों में ने रविवार को आयोजित थाना पुलिस और रात चेकिंग के करने वाले को गिरफ्तार नाम दीपक गुप्ता निवासी स्वरूप कुतुब विहार झुग्गी-झोपड़ी थाना नजफगढ़ नई दिल्ली, अफसर निवासी गांव उमरपुर जनपद मुजफ्फरनगर हाल निवासी सेक्टर-19 कुतुब विहार गोल डेरी झुग्गी-झोपड़ी थाना छावला, नई दिल्ली, मुशीद निवासी स्वरूप नगर साईं बाबा मंदिर के निकट नई दिल्ली, आकाश कुमार व इंद्रजीत निवासी गांव रहीमकोट थाना डिबाई जनपद बुलंदशहर, देवेंद्र गुप्ता निवासी ककरऊ कोठी जलेसर रोड थाना उत्तर जनपद फिरोजाबाद, नीरज निवासी भलस्वा दिल्ली और जगनू निवासी सरदार कॉलोनी थाना रोहिणी नई दिल्ली हैं।20 दिन में चार वारदातों को दिया अंजाम- एसपी ने बताया कि इस गिरोह में छह आरोपी और शामिल हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगी हैं। गिरोह ने जिले में पिछले एक महीने में चार वारदातों को अंजाम दिया। जिनमें 29 मार्च की रात में झिंझाना थाना क्षेत्र गांव टोड़ा के जंगल में छह खंभों की हाईटेंशन विद्युत लाइनों के तारों की चोरी शामिल है। छह अप्रैल को गढ़ीपुख्ता क्षेत्र के गांव भैंसवाल के जंगल से और आठ अप्रैल की रात को कांधला क्षेत्र के गांव कनियान में विद्युत लाइन के तार चोरी किए। इसके अलावा 17 अप्रैल को बाबरी क्षेत्र के गांव भाजू से हाईटेंशन लाइन के करीब 1200 मीटर तार चोरी किया था। इस गिरोह द्वारा जनपद बुलंदशहर के थाना खुर्जा देहात क्षेत्र में भी तार चोरी की वारदातें की गई। इनके आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

लोहे की छल्ला चेन फेंककर लाइन करते थे बंद- एसपी के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे वारदात करने से पहले मौके पर पहुंचकर लोहे की छल्ला चेन तारों पर फेंकते थे, जिससे फाल्ट होने पर लाइन ब्रेक हो जाती थी। इसके बाद कटर मशीन से तार काटते थे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

डीएम के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई: बिना कागजात गिट्टी ले जा रहा डंपर पकड़ाया, मौके पर वसूला जुर्माना

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद- उपखनिज के अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। जिलाधिकारी के कड़े निर्देशों के बाद, शनिवार को नवाबगंज थाना क्षेत्र में अवैध रूप से गिट्टी का परिवहन करते हुए एक डंपर को पकड़ा गया। इस कार्रवाई में मौके पर ही 55,780 रुपये का भारी-भरकम जुर्माना वसूला गया है। दस्तावेज नहीं दिखा सका चालक- जानकारी के अनुसार, खनन अधिकारी द्वारा नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम गनीपुर जोगपुर में औचक छापेमारी की गई। इस दौरान गिट्टी से लदे एक डंपर को चेकिंग के लिए रोका गया। जब अधिकारियों ने वाहन चालक सोनू से परिवहन संबंधी वैध प्रपत्र मांगे, तो वह कोई भी कागजात प्रस्तुत करने में विफल रहा। प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हो गया कि गिट्टी का परिवहन बिना वैध दस्तावेजों के किया जा रहा था, जो कि सीधे तौर पर खनन नियमों का उल्लंघन है। इस पर अधिकारियों ने तत्काल ऑनलाइन नोटिस जारी किया और नियमानुसार ?55,780 का

जुर्माना मौके पर ही वसूल लिया। डीएम की दो टूक- माफियाओं को न बख्शा जाए- जिलाधिकारी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बख्शा न जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी अवैध गतिविधियों से न सिर्फ सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचता है, बल्कि इससे पर्यावरणीय संतुलन भी बिगड़ता है। संवेदनशील इलाकों में बढ़ाई जाएगी गश्त- अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए डीएम ने खनन विभाग, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि जिले के सभी संवेदनशील क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां नियमित गश्त की जाए और आकस्मिक छापेमारी तेज की जाए, ताकि प्रवर्तन कार्रवाई अधिक सघन और परिणामोन्मुख बन सके।

आम जनता से सहयोग की अपील- प्रशासन ने इस मुहिम में आम नागरिकों से भी सहयोग मांगा है। अपील की गई है कि यदि किसी भी नागरिक को कहीं भी अवैध खनन या खनिजों के अवैध परिवहन की भनक लगती है, तो वे तुरंत संबंधित विभाग या स्थानीय प्रशासन को इसकी सूचना दें। नागरिकों की जागरूकता और सहयोग से ही इन अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है।

रोडवेज बस स्टेशन पर स्थापित होगी महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा, तैयारियों में जुटी क्षत्रिय महासभा

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद। शहर के रोडवेज बस स्टेशन पर नवनिर्मित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा का अनावरण आगामी 9 मई को किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियों की रूपरेखा तैयार करने के लिए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा शहर के राजपूताना होटल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।दिग्गज राजनेता होंगे शामिल- बैठक के दौरान महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने जानकारी दी कि अनावरण समारोह में उत्तर प्रदेश सरकार के कई दिग्गज मंत्री शिरकत करेंगे। मुख्य अतिथि- जिले के प्रभारी तथा पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री *जयवीर सिंह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथि- परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। अन्य अतिथि- कार्यक्रम में विधायक

राकेश सिंह सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहेंगे। सार्वजनिक होगा कार्यक्रम राष्ट्रीय मंत्री जीएस राठौर ने बताया कि यह एक सार्वजनिक कार्यक्रम है, जिसमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिला अध्यक्ष महेश पाल सिंह उपकारी, पूर्व विधायक अरविंद प्रताप सिंह, ब्लॉक प्रमुख पल्लव सोमवंशी और पूर्व जिला अध्यक्ष राम बहादुर सिंह ने भी अपने विचार रखे और इस आयोजन को भव्य बनाने का संकल्प लिया। बैठक में इनकी रही उपस्थिति कार्यक्रम का सफल संचालन कवि वैभव सोमवंशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष सुशील चौहान, जिला महासचिव प्रदीप राठौर और वीरांगना सभा की जिला अध्यक्ष किरण सिंह समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और समाज के लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध शराब पर प्रशासन की सर्जिकल स्ट्राइक, ममापुर में 140 किलो लहन नष्ट, 2 पर एफआईआर

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद। अवैध शराब के कारोबारियों के खिलाफ जिलाधिकारी डॉ0 अंकुर लाठर के जीरो टॉलरेंस निर्देश पर जनपद में विशेष अभियान छेड़ दिया गया है। आबकारी विभाग

की टीम ने आज ग्राम ममापुर में छापेमारी कर अवैध शराब के सिंडिकेट को बड़ा झटका दिया। छापेमारी की बड़ी कार्रवाई- दबिश और बरामदगी- जिला आबकारी अधिकारी श्री जी.पी. गुप्ता के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक सुधांशु चौधरी की टीम ने ममापुर में संदिग्ध ठिकानों पर धावा बोला। नष्ट किया गया लहन- मौके से 20 लीटर अवैध शराब बरामद की गई और लगभग 140 किलोग्राम लहन को जमीनदोज (नष्ट) कर दिया गया। दर्ज हुए मुकदमे इस मामले में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत *02 एफआईआर (अभियोग) दर्ज की गई हैं। शराब की दुकानों का औचक निरीक्षण टीम ने केवल छापेमारी ही नहीं की, बल्कि सरकारी दुकानों पर भी शिकंजा कसा- 1. बरझाला और धमगवा स्थित देशी शराब व कंपोजिट दुकानों की औचक जांच की गई। 2. रजिस्टर्स, स्टॉक रजिस्टर और ऑनलाइन पेमेंट व्यवस्था को बारीकी से परखा गया। 3. दुकानों से जुड़ी कैंटीनों की भी सघन तलाशी ली गई ताकि मिलावट या अवैध बिक्री की कोई गुंजाइश न रहे। > अवैध शराब के निर्माण और परिवहन के खिलाफ यह अभियान थमेगा नहीं। नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई जारी रहेगी।

मोहब्बत से मनाही पर टूटा दिल: नाबालिग ने पेड़ से फंदा लगाकर दी जान, किशोरी से दो साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग

नाबालिग की आत्महत्या की घटना सचेंडी थानाक्षेत्र की है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।सचेंडी थानाक्षेत्र के बिनौर गांव से 150 मीटर दूर खेत में पेड़ से फंदा लगाकर प्रदीप कुशवाहा (17) ने खुदकुशी कर ली। प्रदीप का परिवार में रिश्ते में बहन लगने वाली एक किशोरी से दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजन के मोहब्बत से मनाही और विरोध करने पर दिल टूट गया और उसने ये कदम उठा लिया। वह शनिवार सुबह घर से बिना बताए निकला था। परिजन लगातार उसे कॉल करते रहे लेकिन उसने फोन नहीं रिसीव किया।बिनौर गांव निवासी प्रदीप खेती किसानी के साथ ट्रैक्टर चलाता था। परिवार में मां किरण, भाई छोटू करन है। प्रदीप के चाचा राजेश ने बताया की परिवार में एक किशोरी से बीते दो वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन रिश्तों की मर्यादा को देखते हुए परिजन विरोध कर रहे थे। परिजन ने दोनों को कई बार बात करने से मना किया लेकिन वह लोग मानने को तैयार नहीं थे। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले प्रदीप उसे अपने घर भी ले आया था।काफी परेशान था प्रदीप-इसके बाद परिजनों ने उसे समझा बुझाकर घर वापस भेज दिया था। प्रदीप इस बात से काफी आहत था। शनिवार को वह बिना कुछ खाए सुबह घर निकल गया। जब देर शाम तक घर नहीं लौटा तो छोटे भाई और मां ने लगातार कई बार उसे कॉल किया लेकिन उसने फोन नहीं रिसीव किया। देर रात तक उसके दोस्त और परिजन ढूंढते रहे लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। पेड़ से गमछे के सहारे लटका मिला शव- रविवार सुबह वह लोग तलाश करने निकल ही रहे थे तभी ग्रामीणों ने हुबलाल सविता के खेत में आम के पेड़ से गमछे के सहारे प्रदीप के जान देने की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच कर शव को पोस्टमार्टम भेजा। एसीपी पनकी मनोज कुमार सिंह ने बताया की प्रदीप का उसके परिवार की एक नाबालिग से प्रेम प्रसंग था। दोनों परिवार के लोगों के विरोध करने पर आहत होकर युवक ने खुदकुशी कर ली।

फर्रुखाबाद में आंधी-तूफान का कहर: रेलवे ट्रैक और हाईवे बाधित, दीवार ढहने से 3 लोग घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद। जिले में शनिवार देर रात अचानक बदले मौसम ने भारी तबाही मचाई है। रात करीब 3 बजे आई तेज आंधी और झमाझम बारिश के कारण कई इलाकों में विशालकाय पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। प्राकृतिक आपदा के चलते जहां एक ओर कानपुर-कासगंज रेलवे ट्रैक और प्रमुख सड़क मार्ग घंटों बाधित रहे, वहीं एक मकान की दीवार ढहने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। किसानों की फसलों को भी इस बेमौसम मार से भारी नुकसान पहुंचा है। रेलवे ट्रैक और मुख्य मार्ग पर गिरे पेड़, घंटों फंसी रहीं गाड़ियां तूफान का सबसे ज्यादा असर कमालगंज ब्लॉक क्षेत्र में देखने को मिला। तेज हवाओं के कारण कानपुर-कासगंज रेलवे ट्रैक पर बड़े पेड़ गिर गए, जिससे ट्रेनों का आवागमन रुक गया। रेलवे अधिकारियों को सूचना मिलने के बाद मौके पर टीम पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद सुबह 6 बजे ट्रैक से पेड़ों को हटाकर रेल यातायात बहाल किया जा सका। इसी तरह कानपुर-फर्रुखाबाद मुख्य मार्ग पर भी पेड़ गिरने से भारी जाम लग गया। यह मार्ग करीब तीन घंटे तक पूरी तरह से ठप रहा। सुबह ठेकेदारों को बुलाकर मशीनों की मदद से पेड़ों को काटा गया। जाम के कारण दूध के वाहन, रोडवेज बसें और यात्री काफी परेशान रहे। रजीपुर

में जाम में फंसे दूध वाहन के चालक विकास ने बताया कि वह सुबह 3 बजे से 7 बजे तक वहीं फंसे रहे। दीवार के मलबे में दबे तीन लोग, अस्पताल में भर्ती- आंधी का कहर एक परिवार पर कहर बनकर टूटा। तेज हवाओं के दबाव में एक मकान की दीवार भरभरा कर गिर गई। मलबे के नीचे दबने से 60 वर्षीय रामानंद, 18 वर्षीय मोहिनी और 20 वर्षीय रजनीश घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर दौड़े पड़ोसियों ने किसी तरह उन्हें मलबे से बाहर निकाला और तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की स्थिति को देखते हुए उन्हें लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बिजली आपूर्ति ठप और फसलों को भारी नुकसान- कमालगंज क्षेत्र में लगभग एक दर्जन पेड़ गिरने से पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति ठप पड़ गई है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा तेज हवाओं के कारण खेतों में खड़ी मक्का की फसल बिछ गई है। कायमगंज मंडी में भीगा गेहूं- जिले के कायमगंज इलाके में भी रात 3 बजे अचानक झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश और तेज हवाओं के कारण यहां भी कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए। सबसे ज्यादा नुकसान किसानों को उठाना पड़ा है, क्योंकि कायमगंज मंडी परिसर में खुले में रखा हजारों क्विंटल गेहूं बारिश के पानी में भीग गया है। प्रशासन अब नुकसान के आकलन में जुट गया है।

जनगणना में लगी ड्यूटी, 150 स्कूलों में पढ़ाई का छाया संकट

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद। स्टाफ की कमी से जूझ रहे परिषदीय स्कूलों में अधिकांश प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों की जनगणना में ड्यूटी लग जाने से 150 से अधिक स्कूलों पर बंद होने का संकट मंडरा रहा है। इनमें राजेपुर के 42, मोहम्मदाबाद के 42 और फर्रुखाबाद नगर के 22 अन्य विकास खंडों के स्कूल शामिल हैं। कमालगंज के तीन और कायमगंज के पांच स्कूल शिक्षक विहीन हैं। ऐसे हालात से छात्र-छात्राओं की शिक्षा प्रभावित होना तय है। सरकार प्राथमिक स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों को उच्च स्तर की शिक्षा देने पर अधिक जोर दे रही है। मगर परिषदीय स्कूल सालों से शिक्षकों, प्रधानाध्यापकों की कमी से जूझ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि जिले के तमाम स्कूल शिक्षामित्र और एक-एक शिक्षक के सहारे चल रहे हैं। ऐसे समय में जनगणना के प्रथम चरण में शुरू होने वाली मकान की गणना में शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई। फर्रुखाबाद नगर में परिषदीय 44 स्कूल हैं। इनमें से 22 स्कूलों के सभी स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। तीन प्राथमिक और 11 जूनियर स्कूल ऐसे हैं, जिनमें एक-एक शिक्षक की तैनाती है। ऐसे ही राजेपुर में जनगणना ड्यूटी की वजह से 42 स्कूल बंद हो सकते हैं। इनमें एक जूनियर और दो प्राइमरी स्कूल में तैनात एक-एक शिक्षक को भी लगा दिया गया है। मोहम्मदाबाद ब्लॉक में 42 स्कूलों में यदि वैकल्पिक व्यवस्था न की गई तो बंद होना तय हैं। यहां मोहम्मदाबाद नगर पंचायत के अलावा खिमसेपुर और संकिसा बसंतपुर नगर

पंचायतों के शिक्षकों को नगर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र में भी लगाया गया है। कायमगंज नगर में 10 स्कूल हैं। इनमें चार जूनियर हाईस्कूल और छह प्राइमरी हैं। चार स्कूलों को सिर्फ शिक्षामित्र संचालित कर रहे हैं, जबकि एक स्कूल में मात्र एक शिक्षक ही है। इन स्कूलों का शिक्षण कार्य भी प्रभावित रहेगा। इसके अलावा शमसाबाद, बढ़पुर, कमालगंज ब्लॉक के कई स्कूलों का बंद होना तय है। कायमगंज में एक लिपिक के पास छह स्कूलों का चार्ज- बेसिक शिक्षा की हालत कितनी बदतर है, इसका इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है। कायमगंज खंड शिक्षा अधिकारी दफ्तर में तैनात लिपिक संजय मिश्रा के पास छह स्कूलों का चार्ज है। इनमें चार जूनियर और दो प्राइमरी हैं। इन स्कूलों में सिर्फ शिक्षामित्रों की तैनाती होने की वजह से लिपिक को चार्ज दिया गया है। बीएसए को दे चुके पत्र, शिक्षण कार्य होगा प्रभावित- भूपेश उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष भूपेश प्रकाश पाठक ने कहा कि जनगणना में प्रधानाध्यापक, प्रभारी प्रधानाध्यापक भी लगाए गए हैं, जो गलत है। इससे जिले के 150 से अधिक स्कूलों का बंद होना तय है। उन्होंने बीएसए से स्कूल में तैनाती के हिसाब से 50 फीसदी ड्यूटी लगाने का पत्र दिया था। इस संबंध में जिलाधिकारी को भी अवगत करवाया जा चुका है। बच्चों का शिक्षण कार्य भी प्रभावित रहेगा। शिक्षण कार्य को ध्यान में रखकर कारगर कदम उठाया जाना चाहिए। जनगणना राष्ट्रीय कार्य, बंद हो रहे स्कूलों को मिले राहत- बीएसए विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया कि जनगणना राष्ट्रीय कार्य है। लिहाजा उसका सही से होना जरूरी है। फिर भी उनकी मंशा है कि ऐसा न हो कि स्कूल बंद हो जाएं। कई बीईओ ने ड्यूटी लगने से स्कूल बंद होने की सूचना दी है। प्रधानाध्यापक व प्रभारी प्रधानाध्यापक की ड्यूटी लगने से स्कूल चलो रैली, एमडीएम, नए पंजीकरण जैसे कई कार्य बंद हो जाएंगे। इस संबंध में वह पत्र लिखकर जिलाधिकारी को अवगत करवा चुके हैं। दिशा निर्देशों का अनुपालन किया जाएगा।

टैंकर की टक्कर लगने से बाइक सवार दंपती व बेटे की मौत, तीनों उछलकर सड़क पर जा गिरे थे

बाइक सवार नवाबगंज-कटरा मार्ग पर कनकपुर गांव के पास पहुंचे थे तभी पीछे से आ रहे दुग्ध से भरे टैंकर ने टक्कर मार दी जिससे तीनों उछलकर सड़क पर जा गिरे। इसी दौरान टैंकर से कुचलकर उर्मिला व लवकुश की मौके पर ही मौत हो गई। गोंडा जिले के नवाबगंज के कटरा मार्ग पर कनकपुर गांव के पास रविवार की दोपहर बाद टैंकर की टक्कर लगने से बाइक सवार मां व बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, महिला के पति गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।बस्ती जिले के कलवारी थाना क्षेत्र के गंगापुर गांव निवासी मान सिंह (42) अपनी पत्नी उर्मिला (40) व बेटे लवकुश (15) के साथ बाइक से रविवार की दोपहर बहराइच के ग्यारह सौरेती गांव अपने साले की शादी में शामिल होने जा रहे थे। वह नवाबगंज-कटरा मार्ग पर कनकपुर गांव के पास पहुंचे थे तभी पीछे से आ रहे दुग्ध से भरे टैंकर ने टक्कर मार दी जिससे तीनों उछलकर सड़क पर जा गिरे।इसी दौरान टैंकर से कुचलकर उर्मिला व लवकुश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद दौड़े लोगों ने मान सिंह को नाजुक हालत में सीएचसी पहुंचाया।। टैंकर चालक की तलाश की जा रही है।

Parenting Tips: What to Teach Children During Summer Vacation? Learn Easy Ways

During summer vacation, children should be taught arts and crafts, computers, problem-solving, household chores, and communication skills, which will promote their all-round development.

Summer vacation is one of children's favorite times of the year. A break from school, lots of fun, games, and relaxation are the hallmarks of their vacations. But have you ever considered that this time could also be the best opportunity to improve their children's future? In today's times, mere bookish learning is not enough; children's all-round development is crucial. If vacations are utilized properly, children can learn new skills that will be very helpful in their future lives. Whether it's creativity, technology, or life skills, summer vacation is a golden time to teach children something new. The lessons learned during this time boost their self-confidence and make them more self-reliant. In this article, we'll share five essential skills you can teach your children this summer vacation to make their vacation both fun and productive. Creative Skills - Encourage children to engage in creative activities like drawing, painting, crafts, or music. This enhances their imagination and teaches them to express themselves better. Basic Computer and Technology Skills - Computer skills are crucial in today's digital age. Teaching children basic computer skills, typing, or simple coding will be beneficial for their future. Problem Solving and Logical Thinking - Puzzles, brain games, and quizzes can enhance children's thinking abilities. This sharpens their minds and helps them make better decisions. Basic Life Skills - Teach children small household responsibilities like cooking, cleaning, or organizing their belongings. This helps them become self-reliant. Communication and Public Speaking - Teach children how to express themselves and speak in front of others. This boosts their confidence and helps them perform better in social situations.

How to protect yourself from the intense heat and heatstroke? Learn important advice from an AIIMS dietitian.

To keep the body cool during the summer, one should consume foods that are high in water and easily digestible. According to an AIIMS dietitian, fruits like watermelon, melon, cucumber, and radish are up to 90% water-rich, which keeps the body hydrated and regulates body temperature. The winter season brings with it many health challenges. As temperatures rise, so do the physical challenges. Excessive heat can further increase health risks for children, the elderly, and pregnant women. Recently, the Ministry of Health highlighted how dangerous this weather can be for children's health and what precautions should be taken. As temperatures rise, the effects of heat on the body become more pronounced. Especially when the mercury crosses 40 degrees Celsius, the risk of heatstroke increases manifold. According to the World Health Organization (WHO), thousands of people die each year due to extreme heat, with dehydration and heatstroke being the main causes. Doctors say that even the slightest carelessness regarding health during extreme heat can increase the risk of kidney failure. This is why everyone should exercise special caution regarding their diet and daily routine. A senior dietitian from AIIMS has provided information on what to eat and what not to eat to prevent heatstroke. Take precautions in summer - Medical reports show that drinking water alone is not enough in summer; eating right is equally important. Choosing the right foods in your diet is crucial to maintaining body temperature, electrolyte balance, and preventing energy levels from dipping. Fried, spicy, and outside food further increase body heat. Light meals and cooling drinks help protect the body from heat and sunstroke. What does the AIIMS dietitian recommend? To reduce the health risks associated with heat and the risk of heatstroke, Dr. Prameet Kaur, Chief Dietitian at AIIMS, offers some important tips that can help protect you from serious risks. Dr. Kaur says, "Eat easily digestible foods in the summer and avoid spicy foods. Consume yogurt and buttermilk. These have a cooling effect and contain probiotics. These help maintain proper digestion. Mint chutney and wood apple sherbet also have a cooling effect. Avoid oily, spicy, excessively sweet, or salty foods these days. These can cause dehydration." To prevent dehydration, you can make ORS at home. Add 6 teaspoons of sugar and half a teaspoon of salt to 1 liter of water. This drink helps replenish electrolytes. Eat more of things that cool the body? Health experts say that in summer, eat more of things that cool the body. Eat foods that are high in water and easily digestible. Fruits like watermelon, melon, cucumber, and radish are up to 90% water-rich, which keeps the body hydrated and regulates temperature. Coconut water is also a great option because it contains electrolytes like potassium and sodium, which replenish minerals lost through sweat.

Do you also eat biscuits dipped in tea? If so, this news is useful for you.

If you also eat biscuits dipped in tea, then this news is useful for you. Here we will tell you about its disadvantages. Eating biscuits with tea is a common habit in India, and people adopt it with great enthusiasm from the beginning of the day to evening tea. Especially, eating biscuits dipped in tea is a unique pleasure. But have you ever considered the impact this habit has on your health? - Yes, people often ignore it, considering it a light snack, but it can also have some disadvantages. Frequently consuming tea with overly sweet and processed biscuits can prove harmful to the body. Many people are unaware of this. Therefore, it is important to understand the effects of eating biscuits dipped in tea on the body and what precautions should be taken. What is the biggest disadvantage? The biggest disadvantage is excessive sugar consumption. Most biscuits available in the market have a high sugar content. When you eat biscuits with tea several times a day, excess calories accumulate in the body. This can lead to weight gain and imbalanced blood sugar levels, which can further lead to diabetes. Stomach problems - Another important factor is the refined flour (maida). The flour used in biscuits is devoid of fiber, which slows down the digestive process. Regular consumption can lead to problems like constipation, gas, indigestion, and bloating. Heart risks - Third, the trans fat and preservatives present in biscuits can pose a risk to heart health. These ingredients increase bad cholesterol (LDL) and decrease good cholesterol (HDL), which can increase the risk of heart disease. What to do if you can't break the habit? If you can't completely break this habit, it's best to choose low-sugar, high-fiber, or multigrain biscuits and limit the quantity. Also, try to include healthy snacks like dry fruits or roasted gram with tea, so that along with taste, health is also maintained.

Beauties attended the screening of "The Devil Wears Prada 2," from Kiara Advani to Tamannaah, all dressed in red.

Ahead of its May 1st release, a screening of "The Devil Wears Prada 2" was held. Bollywood actresses attended, all dazzling in vibrant colors. The Hollywood film "The Devil Wears Prada 2" was released in theaters on May 1st. Stars like Kiara Advani, Tamannaah Bhatia, Nia Sharma, and Avneet Kaur attended the screening. Notably, almost all the actresses posed for the camera in vibrant colors. Let's take a look. Kiara Advani attended the screening of "The Devil Wears Prada 2." She wore a red dress. Her dress was fitted at the top and loose at the waist, which gave a very attractive look. She was wearing matching heels. Tamannaah Bhatia also reached the Tamannaah Bhatia- was wearing a maroon off-shoulder screening of the film. She The actress had her hair neatly tied. top and a black skirt. while posing in front of the camera. She looked very happy Avneet Kaur reached the screening Avneet Kaur- Actress She wore an off-shoulder top with a of the film in a red dress. her look with glasses. She was very long skirt. She completed front of the camera. Nia Sharma- Nia confident while posing in screening of 'The Devil Wears Prada Sharma reached the dress. She looked radiant in the red 2' in an off-shoulder Ashnoor Kaur attended the dress. Ashnoor Kaur- red gown. She completed her look screening of the film in a dress and light jewellery. Star cast of with an off-shoulder 2' - Apart from Meryl Streep and 'The Devil Wears Prada Blunt, Stanley Tucci, Tracie Thoms Anne Hathaway, Emily also returning in the film 'The Devil and Tibor Feldman are Wears Prada 2'. All these actors were also in the first part. At the same time, some new actors have also joined the film 'The Devil Wears Prada 2'. These include the names of Kenneth Branagh, Patrick Brammall, Simone Ashley, Lucy Liu, BJ Novak, Justin Theroux, Lady Gaga and Pauline Chalamet. Simone Ashley's character has been shown as Meryl Streep's assistant.

Did social media users like 'The Devil Wears Prada 2'? Find out their opinions; they said, "It's not iconic, but..."

The Hollywood film "The Devil Wears Prada 2" was released in theaters today, May 1st. Following its release, many users praised the film, while others disliked certain aspects of it. Find out what users have to say about the film. The Hollywood film "The Devil Wears Prada 2" was released in theaters on May 1st. The film has been in the news since its release. Now, after its release today, reactions from many former users have surfaced. Some users have praised certain aspects of the film, while others have disliked certain aspects of the film. Find out what users who have already seen the film have said. Positive reactions from users: One user wrote, "I saw 'The Devil Wears Prada 2' and found it okay. I wouldn't call it iconic, but it's better than the over-parody the trailer seemed." The film is salvaged because of Streep and Blunt, otherwise there is a lot of screaming and overacting elsewhere, which is hidden by some cameos. My rating- tried to be 6.5/10 'The Devil Wears Prada 2' is fantastic - Another user wrote- 'The Devil Wears Prada 2' is fantastic. I really liked its story. The development of the characters is so good that it makes one emotional at times. Meryl Streep looks amazing. Anne Hathaway, Emily Blunt and Stanley Tucci are also excellent. I liked this film very much. You will laugh and cry in it. Another user wrote- 'Everyone should watch 'The Devil Wears Prada 2'. It is a wonderful film. With this, many people praised the film. Star cast of 'The Devil Wears Prada 2' - Apart from Meryl Streep and Anne Hathaway, Emily Blunt, Stanley Tucci, Tracie Thoms and Tibor Feldman are also returning in the film 'The Devil Wears Prada 2'. All these actors were also in the first part. At the same time, some new actors have also joined the film 'The Devil Wears Prada 2'. This includes the names of Kenneth Branagh, Patrick Brammall, Simone Ashley, Lucy Liu, BJ Novak, Justin Theroux, Lady Gaga and Pauline Chalamet. Simone Ashley's character has been shown as Meryl Streep's assistant.

"Yeh Jawaani Hai Deewani" fame Evelyn Sharma has divorced and will continue to raise her children with her husband despite the separation.

News has emerged regarding actress Evelyn Sharma, who won the hearts of audiences with her performances in films like "Saaho" and "Yaariyan." She has confirmed that she is separating from her husband, Tushaan. Actress Evelyn Sharma has been away from the limelight for several years. Her last film, "Saaho," was released in 2019. That same year, she got engaged to Indo- Australian dental surgeon Tushaan Bhindi. The couple married in 2021 and later became parents to two children. Now, news is surfacing that Evelyn and Tushaan have decided to separate. Evelyn Sharma confirmed her separation from her husband: "Yes, we have decided to end our relationship and separate. But we are fully focused on raising our children together," Evelyn told HT City. We hope that our privacy will be respected. We will raise the child together - He further said, 'We assure you that this separation is as peaceful and mutually agreed upon as possible. We are moving forward in this new phase of our lives on the basis of our old friendship and raising our children together. Evelyn Sharma's work - Evelyn Sharma was very active in Hindi films from 2012 to 2019. During this time, she worked in many films like Ranbir Kapoor and Deepika Padukone's film 'Yeh Jawaani Hai Deewani' (2013), 'Yaariyan' and Varun Dhawan and Ileana D'Cruz's film 'Main Tera Hero'.